RNI No.: DEL/BIL/2004/14598

Youngster

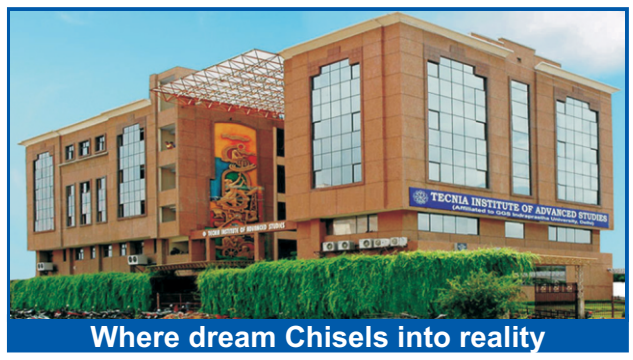

YOUNGSTER · ESTABLISHED 2004 · NEW DELHI · MAY 2022 · PAGES 4 · PRICE 1/- · MONTHLY BILINGUAL (HIN./ENG.)

मताधिकार जागरूकता के लिए टेक्निया इंस्टिट्यूट में "टॉक शो" का आयोजन

टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, रोहिणी नई दिल्ली में मताधिकार जागरूकता पर "टॉक शो" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली डॉ रणवीर सिंह, डीएम, उत्तरी दिल्ली सुश्री आर. मेनका, आईटीएस, नोडल ऑफिसर श्री जे. एल. गुप्ता के साथ कॉलेज के निदेशक डॉ अजय कुमार, डीन डॉ एम एन झा, संयोजक सुश्री प्रियंका सिंह उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना व दीप प्रज्जलवित करके की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली डॉ रणवीर सिंह ने छात्र–छात्राओं को मतदान प्रक्रिया से जुड़ी तमाम जानकारियां दीं, साथ ही मतदान से जुड़े दायित्वों से भी अवगत कराया। डॉ रणवीर सिंह ने कहा कि जनता की सरकार बनाने के लिए हर किसी का मतदान करना जरूरी है। मतदान के दिन सारा काम छोड़कर पहले मतदान करना चाहिए।

छात्रों ने पूरे जोश के साथ टॉक शो में भाग लिया फोटो क्रेडिट– आरएनएलाइव

आपका एक वोट बहुत कीमती होता है। हम सबको इसका मूल्य पहचानना होगा। डीन अकादमिक डॉ एम. एन झा ने कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत करते हुए अपने अभिभाषण में युवाओं मतदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए सदैव मतदान करने का सुझाव दिया। वहीं कॉलेज निदेशक डॉ अजय कुमार ने तमाम मताधिकार जानकारी देते हुए ' म्अमतल अवजम बवनदज, छव टवजमत जव इम स्मजि व्नज' का संकल्प लेने के लिए विद्यार्थियों को संकल्पित किया, साथ ही जिन विद्यार्थियों का अभी तक वोटर कार्ड नहीं बना है उनको जल्दी ही बनाने की सलाह दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ रणवीर सिंह और सुश्री आर मेनका ने कार्यक्रम टॉक शो में युवाओं से चुनाव, चुनाव प्रक्रिया, निर्वाचन का महत्व, वोट का महत्व, चुनाव प्रक्रिया के तत्वों से संबधित प्रश्नों का जवाब दिया। निर्वाचन आयोग के कार्य करने की शैली पर भी प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में निर्वाचन संबधित वाद–विवाद प्रतियोगिता के साथ नृत्य और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कई कॉलेजों के छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की। टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के ईएलसी क्लब की नोडल ऑफिसर सुश्री प्रिंयका सिंह को मतदाता जागरूकता से जुड़े बेहतर कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ शिवेंदु राय(प्रथम सत्र) ने कहा कि हमारा कॉलेज प्रत्येक छात्र–छात्रा को मतदान के लिए जागरूक करता रहता है और भारतीय सविंधान की मूलभूत जानकारी भी अपनी अध्ययन अध्यपान के जरिए देता है। इस आयोजन में जनसंचार एवं पत्रकारिता, बीबीए, बीसीए के सभी छात्र– छात्राओं के साथ सभी विभागों के विभागाध्यक्ष के साथ सभी अध्यापकगण मौजूद रहें। कॉलेज में आयोजित मताधिकार जागरूकता "टॉक शो" के सफल आयोजन के लिए संस्था के प्रेस क्लब के श्री बालकृष्ण मिश्र औऱ कर्ण सिंह ने बधाई प्रेषित की।

– डॉ शिवेदु राय

कुछ वो ऐसे है कुछ हम वैसे है...

हंसते चेहरे ये दिन भर के
रात को उदास से नज़र आते है।
कुछ कमाते है कुछ ख़ाते है।
कुछ बिना ख़ाये सो जाते है।
मेट्रो की ये भीड़ है
ये बसों में भी मिल जाते है
ये आम आदमी के किस्से है
ये कही नहीं सुनाए जाते हैं।
ये संभालते है कंधे अपनों के
दूसरों के नौकर बन जाते है
जो बनते है कंबल आपके
दूसरों के कंधों पर सो जाते हैं।
मख़मल होगा फलक का कालीन
ये डालके थकान की चद्दर मानों
बेहोश से हो जाते है
ये भीड़ का हिस्सा है
यही भीड़ में ख़ो जाते है।
ये सड़कों पर मीलों चलने वाले
गाड़ी आपकी सही चलाते है
ये बरसों के खुदा से ख़फा लोग
आपको तो दिल ख़ोलकर हँसाते है ना।
माने या ना माने आप
ख़्याब कुछ ये भी देख़ जाते है
मगर नोकीने से पत्थर के उस तकीये पर
वो बुलबुलों की तरह फूट जाते है।
ना जाने आप ये बात अगर
तो आपकों एक राज़ की बात बताते हैं
आप भी है इन जैसे कोख से जन्में मिट्टी में
दफ़्न हो जाते है।
उसी आग में राख़ हो जाएंगे वो
जिसमें आप जलाए जाते है
उसी माटी का हिस्सा बनेंगे वो लोग
जिसमें आप मिलाए जाते हैं।

शुरूआत और अंत दोनों एक जैसे है
कुछ वो ऐसे है कुछ हम वैसे है
कौन बड़ा कौन छोटा का हिसाब लगाने
में पैसा और रुतबा शामिल नहीं होता

हर कोई मौजूद होता है मगर हर कोई काबिल नहीं होता।

–सिद्धार्थ चड्ढा, बीएजेएमसी, प्रथम वर्ष

इंटरव्यू में सही जवाब देकर करें नौकरी पक्की

कॉलेज से निकलने के बाद पहली नौकरी सबके लिए खास होती है। लेकिन नौकरी पाने के लिए कई चुनौतियों और संघर्षों का सामना भी करना पड़ता है। हर किसी के मन में जॉब इंटरव्यू को लेकर डर और स्ट्रेस होना स्वभाविक है। इंटरव्यू के दौरान कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं। इसमें आपकी शिक्षा से लेकर कैरियर गोल्स और हॉबीज को लेकर सवाल होते हैं। इन सवालों के जरिए एचआर उम्मीदवार के बारे में और उसके लक्ष्यों को समझने की कोशिश करते हैं। आज के इस लेख में हम आपको एचआर राउंड के दौरान पूछे जाने वाले कुछ कॉमन सवाल बताने जा रहे हैं। इन प्रश्नों का सही जवाब देकर आप आसानी से इंटरव्यू क्रैक कर सकते हैं दृ

अपने बारे में बताएं

आमतौर पर किसी भी इंटरव्यू की शुरुआत में यह सवाल जरूर पूछा जाता है। इसके जरिए एचआर आपके बारे में वो जानकारी जानना चाहता है जो सीवी में न लिखा हो। यह इंटरव्यू लेने वाले और उम्मीदवार के बीच एक कड़ी का कार्य करता है।

यह करियर चुनने की वजह?

अक्सर एचआर इंटरव्यू लेते समय उम्मीदवार से पूछता है कि आपने यह करियर क्यों चुना। इस सवाल के जरिए वह यह जानना चाहते हैं कि उम्मीदवार कि वास्तव में क्षेत्र में रुचि है या नहीं।

आपकी ड्रीम जॉब क्या है?

एचआर इंटरव्यू के अन्य सवालों के बीच में आपकी ड्रीम जॉब क्या है पूछ सकता है। इस सवाल के जरिए वह यह समझने की कोशिश करता है कि उम्मीदवार के लक्ष्य क्या हैं और क्या वह काम करने में सचमें इच्छुक है या नहीं।

अपनी हॉबी या पैशन बताएं

इंटरव्यू लेते समय एचआर उम्मीदवार से उसकी हॉबी या पैशन के बारे में पूछ सकते हैं। इस सवाल के जरिए वे यह जानना चाहते हैं कि काम के अलावा आपको किन चीजों में रूचि है। क्या आप टीम के साथ रहकर काम कर पाएंगे या नहीं।

आप स्ट्रेस को कैसे हैंडल करते हैं

इंटरव्यू के दौरान एचआर यह सवाल पूछते हैं कि आप प्रेशर को कैसे हैंडल कर सकते हैं। स्ट्रेस और प्रेशर कामकाजी जीवन का एक हिस्सा हैं। इस सवाल के जरिए एचआर यह जानने का प्रयास करते हैं कि आप तनावपूर्ण स्थिति में कैसे काम करते हैं।

– यंगस्टर ब्यूरो

SEO में है कैरियर

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। **SEO** आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में **SEO** नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या **SEO** एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें।

क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्ट्री को क्रॉल करते हैं। उदाहरण के तौर पर ळववहसम ठवजे जोड़े जाने वाली किसी भी नई सामग्री के लिए संपूर्ण वेब निर्देशिका को क्रॉल करता है।

बैकलिंक्स ळववहसम बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना **SEO** कॅरियर के और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नज़र रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है।

इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फ़ाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए।

विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। **SEO** में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए **Google** विश्लेषिकी और **Google** सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी।

SEO में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक

आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है। सबसे पहले आइए समझते हैं कि एक ैम्व् क्या करता है?

जैसे–जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं।

सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए **SEO** में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है?

SEO कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे– अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड–रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना।

सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफ़रल ट्रैफ़िक भी प्रदान कर सकते हैं।

इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च–गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है?

ैम्व् अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, **SEO** में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है।

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नज़र रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं।

इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी।

बैकलिंक प्रोफ़ाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में **SEO** के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे–जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। **SEO** में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है।

यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी **SEO** करियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंततः आपके पास आ जाएगी।

– यंगस्टर ब्यूरो

THIS MONTH

May 21, 1991 - Former Indian Prime Minister Rajiv Gandhi was assassinated in the midst of a re-election campaign, killed by a bomb hidden in a bouquet of flowers. He had served as prime minister from 1984 to 1989, succeeding his mother, Indira Gandhi, who was assassinated in 1984.

*****

May 1, 2004 - Eight former Communist nations and two Mediterranean countries joined the European Union (EU) marking its largest-ever expansion. The new members included Poland, Hungary, the Czech Republic, Slovakia, Slovenia, Lithuania, Latvia, Estonia, along with the island of Malta and the Greek portion of the island of Cyprus. They joined 15 countries already in the EU, representing in all 450 million persons.

*****

May 2, 2011 - U.S. Special Operations Forces killed Osama bin Laden during a raid on his secret compound in Abbottabad, Pakistan. The raid marked the culmination of a decade-long manhunt for the elusive leader of the al-Qaeda terrorist organization based in the Middle East. Bin Laden had ordered the coordinated aerial attacks of September 11th, , in which four American passenger jets were hijacked then crashed, killing nearly 3,000 persons. Two jets had struck and subsequently collapsed the 110-story Twin Towers of the World Trade Center in York, while another struck the Pentagon building in Washington, D.C. A fourth jet also headed toward Washington had crashed into a field in Pennsylvania as passengers attempted to overpower the hijackers on board.

Compilation: Aditi Shukla

BASICS OF MEDIA

Medium Requirements: All content elements, production elements, and people needed to generate the defined process message.

*****

Process Message: The message actually received by the viewer in the process of watching a television program.

*****

Teleprompter: A prompting device that projects the moving (usually computer-generated) copy over the lens so that the talent can read it without losing eye contact with the viewer. Also called auto cue.

*****

Production Schedule: The calendar that shows the reproduction, production, and postproduction dates and who is doing what, when, and where.

*****

Program Proposal: Written document that outlines the process message and the major aspects of a television presentation.

*****

Treatment: Brief narrative description of a television program.

*****

To Be Continued In Next Issue-

Compilation: Shristi

संपादक की कलम से

'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन' योजना के तहत दी जाने वाली सुविधाओं को जारी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मैं प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं, आपके परिवार के एक सदस्य के तौर पर आपसे बात कर रहा हूं। आज आप सभी बच्चों के बीच आकर मुझे बहुत सुकून मिला है। उन्होंने कहा कि जीवन हमें कई बार अप्रत्याशित मोड़ पर लाकर खड़ा कर देता है। ऐसी परिस्थितियां जिनकी हमने कल्पना भी नहीं की होती हैं, हंसते–खेलते अचानक अंधेरा छा जाता है। कोरोना ने अनेकों लोगों के जीवन में, अनेकों परिवार के साथ ऐसा ही कुछ किया है। मोदी ने कहा कि मैं जानता हूं, कोरोना की वजह से जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके जीवन में आया ये बदलाव कितना कठिन है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जो चला जाता है, उसकी हमारे पास सिर्फ चंद यादें ही रहा जाती हैं, लेकिन जो रह जाता है, उसके सामने चुनौतियां का अंबार लग जाता है। ऐसी चुनौतियों में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन्स आप सभी ऐसे कोरोना प्रभावित बच्चों की मुश्किलें कम करने का एक छोटा सा प्रयास है। उन्होंने कहा कि पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन इस बात का भी प्रतिबिंब है कि हर देशवासी पूरी संवेदनशीलता से आपके साथ है। मुझे संतोष है कि बच्चों की अच्छी पढ़ाई के लिए उनके घर के पास ही सरकारी या प्राइवेट स्कूलों में उनका दाखिला कराया जा चुका है। मोदी ने कहा कि अगर किसी को प्रॉफेशनल कोर्स के लिए, हायर एजुकेशन के लिए एजुकेशन लोन चाहिए होगा, तो पीएम केयर्स उसमें भी मदद करेगा।

मोदी ने कहा कि रोजमर्रा की दूसरी जरूरतों के लिए अन्य योजनाओं के माध्यम से उनके लिए 4 हजार रुपए हर महीने की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चे जब अपने स्कूल की पढ़ाई पूरी करेंगे, तो आगे भविष्य के सपनों के लिए और भी पैसों की जरूरत होगी। इसके लिए 18–23 साल के युवाओं को हर महीने स्टाइपेंड मिलेगा और जब आप 23 साल के होंगे तब 10 लाख रुपये आपको एक साथ मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक और बड़ी चिंता स्वास्थ्य से जुड़ी भी बनी रहती है। कभी कोई बीमारी आ गयी तो इलाज के लिए पैसे चाहिए। लेकिन किसी भी बच्चे को उसके लिए भी परेशान होने की जरूरत नहीं है।

शिक्षा विभाग में सरकार की बढ़ती दखलनदाज़ी

प्राथमिक शिक्षा किसी व्यक्ति के जीवन की वह नीव है जिस पर उसका सम्पूर्ण जीवन का भविष्य तय होता है। हमारे जीवन शिक्षा का महत्तव उतना ही है, जितना जीवन रहने के लिए भोजन का है। शिक्षा के विषय में एक प्रसिद्ध कहावत है कि शिक्षा स्वंय एक शक्ति है पर एक शक्ति को सरकार अपने वश में करने की कोशिश में लगी हुई है जिससे हमारे देश के युवा प्रणाली का भविष्य संकट में आ रहा है। क्योंकि हमारी शिक्षा प्रणाली रट्टन विधा, टेस दो, पास हो और फिर उसी चीज़ को रिपिट करो का ज़्यादा पालन कर रही है और युवा भी सिर्फ पास होने के लिए पढ़ाई कर रहे है ताकि ज्ञान प्राप्ती के लिए और शिक्षा विभाग ने अब बहुत से बदलाव कर दिए है जैसे पहली अर्द्धवार्षिक परीक्षा में वस्तुनिष्ठ परीक्षा का पैर्टन रख दिया है जिससे बच्चे गहराई में जाके उस विषय के बारे में अध्ययन नहीं कर रहे है और उसे नज़रअंदाज़ भी कर रहे है। इस शिक्षा पद्ित में और भी बहुत खोट है जैसे :

1. यह परीक्षण विद्यार्थियों द्वारा सीयी गयी विषय वस्तु के संगठन की क्षमता पर ज़ोर नहीं देते।
2. विद्यार्थियों को समग्री को संक्षेप में प्रस्तुत करने के अनुप्रयोग बनाने के लिए नहीं कहा जाता है और निश्चित रूप से इस प्रकार का परीक्षण वस्तुओं में मूल्यवान क्षमताएँ है।
3. आमतौर पर यह भी कहा जाता है कि ओबजैक्टिव प्रकार के परीक्षण व्याकरण जाँच में विफल होते है।
4. अक्सर ये भी माना जाता है कि ओबजैक्टिव प्रकार के परीक्षण वस्तुओं की तैयारी और उपयोग एक महंगा और सामयिक मामला है।

सरकार अब एक और बदलाव की ओर बढ़ रही है जिसमें अब दसवी कक्षा से बोर्ड की परीक्षा हटाने का फैसला लिया है जो कि एक नकारात्मक फैसला है क्योंकि अगर विद्यार्थी सीधे बारहवी कक्षा के बोर्ड की परीक्षा देगा तो उसे मानसिक असंतुलन का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि बोर्ड की परीक्षा वह पहली बार दे रहा होगा और बारहवी कक्षा को एक अंतिम बुलावे की तरह भी माना जाता है तो यह एक नकारात्मक फैसला है और ओबजैक्टिव परीक्षा करना भी एक नकारात्मक फैसला है।

– शिवम गुप्ता, बीएजेएमसी, प्रथम वर्ष

U Woof Me?

Historical references of relationship between humans and dogs

There is a belief that the relationship between dogs and humans is from the times of evolution of both the species. The scientific study happened in Siberia in 2021 tells that the species of Ancient North Siberians(humans) firstly domesticated the ancient dog species i.e. wolves around 23,000 years ago but by digging more into this we got to know that this relationship is 30,000 years old.

You must have heard of famous saying "Dogs are the most loyal friends of human beings" and it is 100% true. Dogs have proved their loyalty towards humans from the ancient times to modern times. Don't you think it is our responsibility to nurture them? Dogs do so much for us but in return we don't give them good life which they deserve.

You must be wondering that what nurturing includes. It includes taking proper care of your pet. But the question arises that how can you do proper nurturing of your loyal friend? So here are some common suggestions for all the dogs' breeds.

Suggestions for good care of dogs:

1) **Maintain cleanliness around their surroundings.**

One should maintain clean and good environment around their dogs. So that they don't become prone to diseases. A study shows that many dogs become prey to various allergies due to unclean surroundings.

2) **Create an aura of protected environment for them.**

What a dog demands from us? The answer is our love and affection. Our love and affection creates the protected environment for dogs. By spending time with your dog can help you accomplish this task.

3) **Take them to regular check-ups**

Health plays a major role in the life of any species on this planet. Same is for our adorable creatures dogs. The owner's should take their dogs for regular check-ups and maintain the health record of their pet.

4) **Train them so that they can follow your basics commands**

Regular training sessions to them by their owners will create understanding between the dog and the owner leading to good bond between them which will lead to following of basics commands of their owners.

5) **Feed them with good quality food and take them to regular walks**

By feeding those with good quality food will help them to be healthy. Regular walks will help them to know the outside surroundings which is also very much essential for dogs.

6) **Always keep your dog hydrated**

Food plays important role in dog's health. As human's feel thirsty our dog's feels the same. Dehydration in dogs can cause various health issues. So always keep your pet hydrated.

7) **Try to communicate with them so that you can have good bonding with them**

Communication plays a key role in any relationship whether it is with human's or animals. While spending time with your pet one should try to communicate with them & try to understand their gestures.

8) **Groom your dog but don't do excessive grooming**

Grooming your pet is good habit but excessive grooming can lead to various consequences to your dog's health.

9) **Get your dog's health insurance**

Health insurances play a crucial role in human's life also these health insurances are proved to be beneficial for the dogs as well. Different health insurances offered by different companies include various offers which help in maintain good health of the dogs by their owners.

10) **Provide them good dental care**

Many dog owners focuses on maintain the physical health of their dogs but forget to focus on their dental health. Dental health is as supreme as the physical health of their dogs.

As we know "knowledge is a powerful weapon" so spend time in reading about your dog's breeds so you can give them the good and healthy life filled with love and affection which they deserve. The more you will know about them the more your relationship with them will become strong and more you will be able to give them good living environment.

- Sachin Grover, BAJMC 1st Year

The Guest Is Equivalent To God

In India, the saying 'Atithi Devo Bhavah' is also integral. It means 'the guest is equivalent to god'. It is a Sanskrit verse taken from the Hindu scriptures called Taittiriya Upanishads, the Sanskrit phrase Atithi Devo Bhava holds sacred meaning and translates to 'The Guest is God'. Atithi means 'without a fixed calendrical time' and is used to describe a 'guest'; Devo means 'God' and; Bhava means 'to be'. Atithi Devo Bhava is a code of conduct that has made Indian hospitality renowned around the world for its genuine desire to place the guest above all as the guest has always been of supreme importance in the culture of India.

The Namaste is one of the most popular Indian customs and isn't just restricted to the Indian territory anymore. The Barack Obama, who has been seen doing it on various occasions, or the Ban Ki-Moon, the UN Secretary-General, greeting everyone with a Namaste at the Times Square in New York on the first International Yoga Day and if you take a yoga class in the U.S., the teacher will most likely say Namaste at the end of the practice. It's a Sanskrit phrase that means "I bow to you." You place hands together at the heart, close your eyes and bow. The Namaste, or namaskar, is one of the five forms of traditional greetings mentioned in the ancient Hindu scriptures, the Vedas. It translates to 'I bow to you', and greeting one another with it is a way of saying 'May our minds meet', indicated by the folded palms placed before the chest. The word Namaha can also be translated as 'na ma' (not mine), to signify the reductions of one's ego in the presence of the other.

The culture of fasting is also an integral part of Hindu Culture. Fasts or Vrats or Upvas are a way to represent your sincerity and resolve, or express your gratitude to the Gods and Goddesses. People throughout the country observe fasts during various religious occasions. Some people also observe fast on different days of a week in favour of a particular God or Goddess associated with that specific day. It is widely believed that by doing so, you are depriving your body of a basic necessity and thus, punishing yourself to cleanse off the sins that you have committed until the day of fast. is an integral part of Hindu Culture. Fasts or Vrats or Upvas are a way to represent your sincerity and resolve, or express your gratitude to the Gods and Goddesses. People throughout the country observe fasts during various religious occasions. The origin of fast probably comes from the Vedic ritual of kindling the sacrificial fire for sacrifice purposes. Since the word 'upvas' has been used for denoting both fasts and kindling sacrificial fire, it can be thought that people observed fasts when they had to kindle or rekindle the domestic fires kept in their homes to perform daily sacrifices.

Architecture and the science behind the temples. Most temples are located along magnetic wave lines of the Earth, which help in maximizing the available positive energy. The copper plate (called Garbhagriha or Moolasthan) buried under the main idol absorbs and resonates this energy to its surroundings. Going to the temple often helps in having a positive mind and garnering positive energies, which in turn lead to healthier functioning. It is also a practice to take off footwear before entering places of worship because they would bring in the dirt to an otherwise cleansed and sanctified environment.

Religious symbols the Indian traditions and scriptures contain various signs and symbols which have multiple meanings. For example, the usage of the Swastika, in the Indian context, does not point towards Adolf Hitler or Nazism. It is the symbol of Lord Ganesha, the remover of obstacles. The arms of the Swastika have various meanings. They signify the four Vedas, the four constellations, or the four primary aims of human pursuit.

Scriptures-Epics Indian literature can be traced back in the great epics written in the form of poems, plays, stories, and even self-help guides. The most famous Hindu epics are Ramayana and Mahabharata. Mahabharata, by Ved Vyasa, is the longest poem written in Sanskrit. Both these epics are written in order to highlight human values of sacrifice, loyalty, devotion and truth. The moral of both stories signify the triumph of good over evil.

Apart from all of these there is a lot more in Indian culture like unity, diversity, dance, food, languages and many more.

- Khushi, BAJMC, 1st Year

Vol. 16 **No.** 3
RNI No.: DEL/BIL/2004/14598
Publisher: Ram Kailsah Gupta on behalf of Tecnia Institute of Advanced Studies, 3 PSP, Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85; **Printer:** Ramesh Chander Dogra; **Printed at:** Dogra Printing Press, 17/69, Jhan Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi-5
Editor: Bal krishna Mishra responsible for selection of News under PRB Act.
All rights reserved.
Sub Editor: Karan Singh

IMPORTANT QUOTES

"I do not consider it an insult, but rather a compliment to be called an agnostic. I do not pretend to know where many ignorant men are sure -- that is all that agnosticism means."

- Clarence Darrow

*****

"Obstacles are those frightful things you see when you take your eyes off your goal."

- Henry Ford

*****

"I'll sleep when I'm dead."

- Warren Zevon

*****

"There are people in the world so hungry, that God cannot appear to them except in the form of bread."

- Mahatma Gandhi

*****

Compilation: Vinayka

WINNERS v/s LOOSERS Part-90

Winners choose what they say;

Losers say what they choose.

*****

Winners truly believe;

Losers only hope.

*****

Winners are always part of the solution;

Losers are always part of the problem.

*****

Winners have a mission;

Losers have excuses.

*****

Winners maximize their strengths;

Losers dwell on their weaknesses.

*****

To Be Continued In Next Issue-

Compilation: Shivam Gupta

All Students and Faculty are welcome to give any Article, Feature & Write-up along with their Views & Feedback at: **youngstertias@gmail.com**